अंतर्महाविद्यालयीन वार्षिक युवा उत्सव का आयोजन



इंदौर। अंतर्महाविद्यालयीन वार्षिक युवा उत्सव उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया गया । उद्घाटन सत्र मुख्य अतिथि डॉ. एल.के. त्रिपाठी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएवीवी), विशिष्ट अतिथि डॉ. अनामिका जैन, प्राचार्य (होल्कर विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर) एवं डॉ. अरूणा कुसुमाकर, प्रभारी प्राचार्य, माता जीजाबाई शासकीय स्नातकोत्तर कन्या (अग्रणी) महाविद्यालय, इंदौर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ ।

डॉ. वी.डी. श्रीवास्तव, प्राचार्य, न्यू जीडीसी, इंदौर एवं डॉ. मनोज खरे, प्राचार्य, निर्भयसिंह पटेल शासकीय महाविद्यालय,इंदौर इस अवसर पर उपस्थित थे। अंतर्महाविद्यालयीन युवा उत्सव विधाओं का संयोजन डॉ. सत्यप्रभा श्रीवास्तव एवं डॉ. अमित साखरे द्वारा किया गया । मंच संचालन डॉ. शोभा चतुर्वेदी द्वारा किया ।

डॉ. एल.के. त्रिपाठी ने युवा उत्सव के आयोजन की महत्ता एवं प्रासंगिकता को रेखांकित किया । डॉ. अनामिका जैन ने इस आयोजन की परम्परा और गरिमा पर विचार व्यक्त किए। डॉ. अरूणा कुसुमाकर ने युवा उत्सव की विधाओं में सहभागिता हेतु युवाओं को प्रेरित किया । संयोजक अमित साखरे ने विदिवसीय युवा उत्सव आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला ।उद्घाटन सत्र के सफल आयोजन के लिए डॉ. निर्मल चक्रधर ने आमंत्रित आभार ज्ञापित किया ।

सद्दाम मंसूरी पुनः बने राजीव विकास केंद्र अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी



इंदौर। राजीव विकास केंद्र मध्यप्रदेश अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ में युवा नेता सद्दाम मंसूरी को पुनः प्रदेश प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष एवं इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने कांग्रेस नेता सादिक खान की अनुशंसा पर सद्दाम मंसूरी को यह जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन को मजबूत करने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की।

नियुक्ति के अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं कांग्रेस नेता तथा पार्षद पति सादिक खान ने सद्दाम मंसूरी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान संगठन में उनकी सक्रियता, निरंतर कार्य करने की क्षमता और कांग्रेस की विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें पुनः प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी दी गई।

आज से शुरू होगा मध्य भारत का सबसे बड़ा प्लास्टिक एवं पैकेजिंग एक्सपो 'प्लास्ट पैक 2026'

इंदौर। मध्य भारत के सबसे बड़े प्लास्टिक एवं पैकेजिंग बी2बी एक्सपो 'प्लास्ट पैक 2026' का शुभारंभ 27 नवंबर से लाभगंगा प्रदर्शनी केंद्र में होगा। इंडियन प्लास्ट पैक फोरम (आईपीपीएफ) द्वारा मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम के सहयोग से आयोजित इस चार दिवसीय एक्सपो में देश के आठ से अधिक राज्यों के 450 से ज्यादा प्रदर्शक और 500 से अधिक स्टॉल्स हिस्सा लेंगे।

10 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में आयोजित होने वाले इस एक्सपो में दो लाख से अधिक ट्रेड विजिटर्स के पहुंचने की संभावना है। इस वर्ष आयोजन की थीम 'इनोवेशन टुवर्ड्स सस्टेनेबिलिटी, क्रिएटिंग अपॉर्चुनिटी' रखी गई है। आईपीपीएफ के अध्यक्ष सचिन बंसल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य मध्य प्रदेश को प्लास्टिक और पैकेजिंग उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना और प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को गति देना है। वर्तमान में प्रदेश में करीब 396 रजिस्टर्ड रबर एवं प्लास्टिक फैक्ट्रियां संचालित हैं, जिनसे 35 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। वहीं, करीब 6,000 करोड़ रुपए के निवेश वाली 105 नई परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। एक्सपो में आधुनिक मशीनरी, रीसाइक्लिंग तकनीक, सस्टेनेबल पैकेजिंग और नई औद्योगिक तकनीकों का प्रदर्शन होगा।

जल अभावग्रस्त इंदौर - गहराती चिंता और समाधान की राह, विषय पर विमर्श आज

इन्दौर। श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति के प्रकल्प समसामयिक अध्ययन केंद्र द्वारा आज 27 नवंबर को जल अभावग्रस्त इंदौर - गहराती चिंता और समाधान की राह विषय पर मासिक व्याख्यान एवं प्रबुद्ध विमर्श आयोजित किया जा रहा है।

समिति के सभागृह में शाम पांच बजे से आयोजित इस विमर्श की जानकारी देते समिति के प्रधानमंत्री अरविंद जवलेकर और समसामयिक अध्ययन केंद्र की मंत्री डा. मीनाक्षी स्वामी ने बताया कि इसके मुख्य वक्ता देवास के प्रख्यात भूजल वैज्ञानिक, जल संरक्षण विशेषज्ञ और साहित्यकार डा. सुनील चतुर्वेदी होंगे। व्याख्यान के बाद आयोजित प्रश्नोत्तर एवं श्रोता संवाद सत्र के सूत्रधार प्रोफेसर डा. संदीप नरुलकर रहेंगे। आयोजित इस विमर्श का मुख्य उद्देश्य शहर में बढ़ते जल संकट और इसके समाधान पर चर्चा करना है।

एसटीपी के पानी को लिफ्ट कर ही कान्ह नदी को पुनर्जीवित कर सकेंगे

कबीट खेड़ी एस टी पी के उपचारित जल की रिवर्स पंपिंग से कान्ह होगी प्रवाह मान चौहान

इंदौर। शहर की जीवन रेखा एवं पहचान समझी जाने वाली कान्ह नदी, को पुनर्जीवित करने के लिए अब एकमात्र तरीका यही है कि हम सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर साफ किए गए पानी को पंपिंग करके लाए और इस नदी में छोड़ा जाएं। इस नदी में जब तक निरंतर साफ पानी नहीं छोड़ा जाएगा तब तक यह साफ पानी वाली नदी के रूप में परिवर्तित नहीं हो सकती है। अब तक इसे नदी बनाने के लिए किए गए प्रयासों की नाकामी से हमें सबक सीखना चाहिए।

यह जानकारी नर्मदा कंट्रोल अथॉरिटी के सचिव एवं पूर्व अभियंता डॉ मुकेश चौहान ने कान्ह नदी को पुनर्जीवित कर, साफ एवं शुद्ध पानी की धारा बहे इस संबंध में डेवलपमेंट फाउंडेशन एवं इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के द्वारा होलकर मंडपम (अभय प्रशाल) में आयोजित प्रस्तुतीकरण के द्वारा दी। अपने प्रस्तुतीकरण में उन्होंने विस्तार से यह जानकारी दी कि इस नदी को स्वच्छ जल वाली नदी के रूप में परिवर्तित करने के लिए अब तक क्या-क्या काम किए गए और वह काम क्यों असफल हुए।



श्री चौहान ने कहा कि किसी समय स्वच्छ जल की नदी के रूप में पहचानी जाने वाली यह नदी अब काले पानी की नदी के रूप में पहचान रखती है। पिछले 15 साल से इस नदी को नदी बनाने की कोशिश की जा रही है ।

उन्होंने बताया कि नर्मदा क्षिप्रा लिंक योजना या नर्मदा गंभीर लिंक योजना से पानी लाकर इस नदी में नहीं डाला जा सकता है। यदि ऐसा किया जाता है तो उसका पानी को लाने का बिजली का बिल ही 73 करोड़ रुपए होगा। ऐसे में इस प्रोजेक्ट पर काम करना उचित नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि हमें स्थिति को समझना होगा।

चौहान ने कहा कि इंदौर के लिए सबसे पहली जरूरत इस बात की है कि ड्रेनेज की लाइन और नदी के किनारे समानांतर बिछा कर सीवेज इकट्ठा कर इसको भी ट्रीट करना चाहिए। अलग-अलग होना चाहिए। नदी के किनारे पेड़ लगाने से नदी के जलस्तर को बढ़ाने का काम नहीं किया जा सकता है। जब हम 1 लाख पेड़ नदी के किनारे लगा देंगे तो केवल 1.01 एमएलडी पानी वहां से मिल सकेगा।

इस नदी को साफ करने की योजना बताते हुए उन्होंने कहा कि कबिट खेड़ी ट्रीटमेंट प्लांट पर जो पानी ट्रीट किया जा रहा है उसमें से 160 एमएलडी पानी हमें पंपिंग करके लाकर इस नदी में छोड़ना होगा। इसमें से 80 एम एल डी पानी चिड़ियाघर के पास और बचा हुआ 80 एम एल डी पानी सरस्वती छोड़ा जाना चाहिए। इस योजना पर कुल खर्च 81 करोड रुपए का होगा। इसमें हर माह का बिजली का बिल 3 से 7 करोड रुपए का रहेगा।

इसमें भी यदि हम रात के समय पर पंपिंग बंद कर देते हैं तो यह बिजली का बिल आधा हो जाएगा। उन्होंने अहमदाबाद में साबरमती के तट को साफ पानी वाली नदी के रूप में परिवर्तित किए जाने और विश्व के दूसरे देशों में इस दिशा में हुए काम का उदाहरण भी प्रबुद्ध जनों के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि बबलू शर्मा एमआईसी मेंबर ने निगम द्वारा इस संबंध में किए गए कार्य के बारे में अवगत कराया । एवं श्री चौहान की परियोजना से सहमति जताई ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्री शंकर लालवानी ने श्री चौहान के द्वारा ,सन 2012 से कान्ह नदी के लिए किए जा रहे प्रयासों कि सराहना की, तथा कहा कि, चूंकि अब समुचित मात्रा में एसटी पी बन चुकी है और कबीर खेड़ी पर 400 एमएलडी से ज्यादा उपचारित जल है।

प्रारंभ में सुनिल व्यास , डॉ आर के माथुर, डॉ राम गुलाम राजदान, डॉ गोतम कोठारी,डॉ दिलीप वाघेला आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में सी बी सिंह, कन्हैया आहूजा, के के सोनगरिया, प्रकाश बापना, नरेंद्र तिवारी अनिल भोजे, प्रणिता दीक्षित उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में डेवलपमेंट फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी आलोक खरे ने फाउंडेशन के कार्यों और आज के कार्यक्रम की योजना की जानकारी दी। संचालन शफी मोहम्मद शेख ने तथा अंत में कोमल प्रसाद ने आभार व्यक्त किया ।

हेलियॉन का कैल्शियम लाईफसाइकल प्रोजेक्ट 20,000 महिलाओं तक पहुँचेगा

इंदौर। हेलियॉन इंडिया ने ममता एच.आई.एम.सी के सहयोग से मध्य प्रदेश के पीथमपुर (धार जिला) में कैल्शियम लाईफसाइकल प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य सभी उम्र की महिलाओं के बीच स्वास्थ्य की जागरुकता बढ़ाना और कैल्शियम की कमी को समय पर पहचानकर उसे दूर करने में मदद करना है।



इस पहल के अंतर्गत 30 समर्पित आँगनवाड़ीकेंद्र 20,000 से अधिक महिलाओं तक पहुंचेंगे, जिनमें बालिकाएं, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं और मेनोपॉज से गुजर चुकी महिलाएं शामिल हैं। इस पहल के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और आईसीडीएस विभागों ने मौजूदा सामुदायिक प्लेटफॉर्म्स के साथ सहयोग किया है, जिनमें आँगनवाड़ीकेंद्र, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, स्कूल और फॉलोइन हेल्थ-वर्कर नेटवर्क शामिल हैं।

इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन पीथमपुर में हेलियॉन के प्रतिनिधियों, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, फंटलाइन आँगनवाड़ी और आशा कर्मियों एवं सामुदायिक हितधारकों ने मिलकर किया।

इस अवसर पर श्रीमती वेदिका कपूर, हेड, कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं सीएसआर, हेलियॉन आईएससी, श्री राम निवास भधोलिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी, धार (आईसीडीएस) और संजय गायकवाड़, बाल विकास परियोजना अधिकारी, धार जिला (आईसीडीएस) भी मौजूद थे।

बच्चों ने लिया पौधों को पेड़ बनाने का संकल्प



इंदौर। शासकीय माध्यमिक विद्यालय, खुड़ैल में बुधवार को निःशुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण प्रेमी एवं सेवानिवृत्त इंजीनियर हरीश मेनारिया ने विद्यालय प्रांगण में बच्चों एवं शिक्षकों के साथ 85 पौधे लगवाए। इस अवसर पर मेनारिया ने बच्चों को पौधों को पानी देने व उनकी देखभाल कर पेड़ बनाने का संकल्प दिलवाया। उन्होंने कहा कि पेड़ हमें छाया, फल और प्राणवायु देते हैं, इसलिए इन्हें लगाना ही नहीं, बचाना भी हमारा कर्तव्य है।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक नीलू सिंह ने बच्चों को पानी की बचत एवं पौधों को संरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया। शिक्षक पंकज नीरज, पल्लवी तिवारी, नंदा कश्यप एवं राधा पाटिल ने बच्चों के साथ पौधे लगाए और उन्हें पेड़ों का महत्व समझाते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मेनारिया ने विद्यार्थियों को बिजली के सुरक्षित उपयोग, कट आउट, एमसीबी एवं अर्थिंग के महत्व के बारे में बताया। प्रधानाध्यापक नीलू सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

क्षत्राणियों ने दीपदान कर समाज कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की



इन्दौर। राठौर क्षत्राणी सोशल ग्रुप द्वारा कार्तिक मास की पूर्णिमा पर सिरपुर तालाब के तट पर दीपदान का आयोजन किया गया जिसमें सदस्य क्षत्राणियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर दीपदान करने पश्चात सुहाग सामग्री का वितरण कर परिवार की सुख-समृद्धि, सौभाग्य एवं समाज के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर दीपों से सजा सिरपुर तालाब का तट अत्यंत मनोहारी लग रहा था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षत्राणी महिलाओं ने भाग लिया और आपसी सौहार्द एवं सामाजिक एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी महिलाओं को ग्रुप की ओर से भी सुहाग सामग्री वितरित की गई।

60 फीट के स्थान पर 50 फीट चौड़ी बनेगी सड़क नेहरू नगर के रहवासियों को मिली बड़ी राहत

इंदौर। नेहरू नगर क्षेत्र के रहवासियों की जनभावनाओं और जनहित को ध्यान में रखते हुए वीर सावरकर प्रतिमा से अटल गेट, एमआईजी थाने तक प्रस्तावित 60 फीट चौड़ी सड़क के स्थान पर 50 फीट चौड़ी सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर क्षेत्र के नागरिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवविधायक महेंद्र हार्डिया तथा महापौर पुष्पमित्र भार्गव आभार व्यक्त किया है।

युवा जागृति परिषद के संयोजक राहुल कांतिलाल लोदवाल, अध्यक्ष युवानेता अजय गणेश चौधरी ने संयुक्त रूप सेकहा कि इस मार्ग पर रहने वाले मेहनतकश मजदूर वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों, छोटे-छोटे दुकानदारों और वर्षों से यहां निवास कर रहे संयुक्त परिवारों के सामने 60 फीट चौड़ी सड़क के निर्माण से गंभीर संकट उत्पन्न हो गया था।

बड़ी संख्या में ऐसे परिवार प्रभावित हो रहे थे, जिनकी हाउसिंग बोर्ड से विधिवत खरीदी गई रजिस्टर्ड संपत्तियां पिछले 60 वर्षों से उनके परिवारों और नई पीढ़ियों के उपयोग जारी हैं।

आपने बताया कि सड़क की प्रस्तावित चौड़ाई के कारण अनेक मकानों और दुकानों को भारी नुकसान होने की आशंका थी। क्षेत्र के नागरिक दिन-रात चिंतित और भयभीत थे। उन्हें अपने आशियाने, आजीविका और भविष्य की चिंता सता रही थी। एक ओर करोड़ों रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य जारी था, वहीं दूसरी ओर प्रभावित परिवारों को किसी भी समय बुलडोजर की कार्रवाई से अपने मकानों और दुकानों को नुकसान पहुंचने का डर बना हुआ था। युवा जागृति परिषद एवं संस्था स्पेडिंग स्माइल के पदाधिकारी ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है और विधायक महापौर तथा राज्य शासन के प्रति आभार माना है।

सामा-चकेवा महोत्सव में मैथिल समाज की महिलाओं ने की सुख-समृद्धि, दीर्घायु की कामना

दौर। भाई-बहन के अटूट स्नेह, मैथिली लोकगीतों की मधुर धुनों और सोंधी मिट्टी की महक के बीच शहर के मेघदूत गार्डन में मिथिलांचल के पारंपरिक लोकपर्व सामा-चकेवा की जीवंत झलक देखने को मिली।

अवसर सामा-चकेवा महोत्सव का था, जिसका आयोजन 'इंदौर सखी बहिनपा मैथिलानी समूह' ने पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ किया। कार्यक्रम में मैथिल समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी समृद्ध लोक-संस्कृति को साकार कर दिया।



आयोजन के दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से मिट्टी से सामा-चकेवा की प्रतिमाएं गढ़ीं और उन्हें बांस के डाले में सजाकर विधि-विधान से पूजन किया। पारंपरिक मैथिली गीतों की स्वरलहरियों के बीच सामा के प्रतीक को एक-दूसरे के हाथों में सौंपते हुए प्रतीकात्मक रूप से 'चुगला' और 'वृंदावन' का दहन किया गया। समूह की प्रमुख प्रभारी ऋचा झा, संगठन मंत्री शारदा झा और सदस्य श्वेता मिश्रा ने बताया कि सामा-चकेवा मिथिला का अत्यंत लोकप्रिय लोकपर्व है, जो भाई-बहन के प्रेम और मंगलकामना को समर्पित है। कार्तिक शुक्ल सप्तमी से कार्तिक पूर्णिमा तक चलने वाले इस आयोजन में बहनें भाइयों की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की प्रार्थना करती हैं। परंपरा के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सामा-चकेवा का विसर्जन किया जाएगा। ऋचा झा ने कहा, सामा-चकेवा केवल एक लोकपर्व नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

300 गांवों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान



इंदौर। संस्था आस द्वारा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन एलायंस के साथ एक्सेस टू जस्टिस प्रोजेक्ट के अंतर्गत इंदौर, महू एवं देपालपुर ब्लॉक के 300 गांवों में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गांव-गांव जागरूकता रैली, घर-घर रंगोली, दीप प्रज्वलन एवं हाथों की छाप बनाकर बाल विवाह रोकने का संदेश दिया जा रहा है। बालिकाएं सेल्फ डिफेंस के माध्यम से आत्मरक्षा एवं सशक्तिकरण का संदेश दे रही हैं। महिलाएं दीवारों पर जागरूकता नारे लिखकर समाज को जागरूक कर रही हैं। परियोजना समन्वयक सुकन्या पाटीदार के नेतृत्व में टीम सदस्य राधा फूलपगारे, मनीष मालाकार, दीपक सिंह, श्रीराम एवं अन्य साथी प्रतिदिन पंचायत एवं ग्राम स्तर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक कर रहे हैं।